



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकारीकृत
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 493] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 30, 1982/कार्तिक 8, 1904
No. 493] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 30, 1982/KARTIKA 8, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दो जाती है जिससे कि यह मरण संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate puging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय

(प्रौद्योगिक विकास विभाग)

आवेदा

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर, 1982

का० आ० 768 (अ)/18कक्ष/उ० वि० अ०/ 82 —मारन भरकार के उद्योग मंत्रालय
(प्रौद्योगिक विकास विभाग) के आदेश स० का० आ० 618 (अ)/18कक्ष/उ० वि० अ०/79
तारीख 31 अक्टूबर, 1979 (जिसे इसके प्रभात उपल आवेदा कहा गया है द्वारा केन्द्रीय
मरण ने मन्त्रिव, वन्द्र श्रीर बीमार उद्योग विभाग जिसे अब मन्त्रिव, प्रौद्योगिक पुनर्नियोग विभाग,
परिवहनी बंगाल भरकार, कलकत्ता कहा जाता है जिसे इसके पश्चात् उक्त प्राधिकार, व्यक्ति
कहा गया है) को मैम्प श्री मरम्बनी प्रेस लिमिटेड, 11 बैरकपुर ट्रक रोड, बैलघरिया, कलकत्ता

2 THE GAZETTE OF INDIA : EXTRAORDINARY [PART II—SEC. 3(ii)]

(जिस इसमें इसके पश्चात उक्त ग्रीष्मोंगिक उपक्रम कहा गया है) का प्रबन्ध 31, अक्टूबर 1979 से तीन वर्ष की अवधि के लिए प्रहृण करने लिए प्राधिकृत किया था ।

ओर केंद्रीय सरकार की गाय है कि आप हित में यह समीक्षा है कि उक्त ग्रीष्मोंगिक उपक्रम का उक्त प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा प्रबन्ध छह माह की ओर अवधि के लिए बना रहता चाहिए ।

अतः केंद्रीय सरकार, उद्योग (विकास और नियन्त्रण) प्रधिनियम 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपाधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्न देतो है कि उक्त ग्रान्ट, 30 अप्रैल, 1983 तक, जिसमें यह तारीख भी नमिलिन है, छह माह की ओर अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा ।

[फा० स० 2 (15)/79 सी यू.एन]
ए० पौ० सरवन, मंत्रिकृत मंचित,

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 30th October, 1982

S.O. 768(E)/18AA/IDRA/82.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 618(E)/18AA/IDRA/79, dated the 31st October, 1979 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government had authorised the Secretary, Closed and Sick Industries Department, now called Secretary, Industrial Reconstruction Department, Government of West Bengal, Calcutta (hereinafter referred to as the said authorised person), to take over the management of Messrs Sree Saraswati Press Limited, 11, Barrackpore Trunk Road, Belghoria, Calcutta, (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) for a period of three years from the 31st October 1979 ;

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said authorised person should continue for a further period of six months ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of six months upto and inclusive of the 30th April, 1983

[F. No. 2(15)/79-CUS]
A. P. SARWAN, Jt. Secy.